भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1475

सोमवार, 9 फरवरी, 2026/20 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

'एमआईसीई' के लिए कन्वेंशन प्रमोशन ब्यूरो की स्थापना

†1475. श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटीलः
सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदेः
डॉ. बच्छाव शोभा दिनेशः
एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवीः
श्री विजय बघेलः
श्री विजय कुमार दूबेः
श्रीमती संजना जाटवः
श्री चिन्तामणि महाराजः
श्री खगेन मुर्मुः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का राष्ट्रीय 'एमआईसीई' पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए विशेषकर स्वायत्त निकायों के रूप में शहर-स्तरीय 'कन्वेंशन प्रमोशन ब्यूरो' (सीपीबी) स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो इसके उद्देश्य, योजना के दायरे, समय-सीमा और अनुमानित बजट का ब्यौरा क्या है;

(ख) ब्यूरो स्थापित करने के लिए महाराष्ट्र के शहरों सहित देश भर में चिह्नित किए गए प्राथमिकता वाले शहरों का ब्यौरा क्या है और विशेषकर सोलापुर, नंदुरबार, भंडारा, सांगली और धुले के लिए प्रस्तावित किसी भी पहल का ब्यौरा क्या है;

(ग) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय 'एमआईसीई' आयोजनों को आकर्षित करने के लिए उनके चयन के मानदंड और परिकल्पित हितधारक परामर्श क्या हैं और देश भर में, विशेषकर उक्त जिलों में पर्यटन, एमएसएमई, आतिथ्य और स्थानीय रोजगार के लिए इसके प्रत्याशित लाभ क्या हैं;

(घ) संस्थागत संरचना और मौजूदा राज्य पहलों, शहर प्राधिकारियों और 'महाराष्ट्र कन्वेंशन ब्यूरो' सहित उद्योग हितधारकों के साथ परिकल्पित समन्वय तंत्र का ब्यौरा क्या है और कार्यों की पुनरावृत्ति से कैसे बचा जा सके और तालमेल सुनिश्चित किया जा सके;

(ङ) क्या इस संबंध में कोई आधारभूत या प्रभाव मूल्यांकन किया गया है और स्थानीय समुदायों के लिए परिणामों पर नज़र रखने हेतु किस प्रकार का निगरानी और जवाबदेही तंत्र प्रस्तावित है; और

(च) इन ब्यूरो से वैश्विक व्यापार और सम्मेलन पर्यटन में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता किस प्रकार बढ़ने की उम्मीद है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (च): एमआईसीई पर्यटन सहित पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों के विकास और संवर्धन की जिम्मेदारी मुख्यत: संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की है। तथापि, अपनी जारी गतिविधियों के भाग के रूप में, पर्यटन मंत्रालय सोशल मीडिया और वेबसाइटों सहित विभिन्न माध्यमों से एमआईसीई पर्यटन सहित भारत का नियमित रूप से एक समग्र पर्यटन स्थल के रूप में संवर्धन करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने एमआईसीई संवर्धन ब्यूरो की स्थापना के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए हैं, जिन्हें सिटी एमआईसीई संवर्धन ब्यूरो की स्थापना के लिए सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों को परिचालित किया गया है।

मंत्रालय ने देश में एमआईसीई उद्योग की वृद्धि के संवर्धन हेतु एमआईसीई उद्योग के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति एवं रोडमैप भी तैयार किया गया है। एमआईसीई रणनीति वाले दस्तावेज में निम्नलिखित प्रमुख स्तंभों को चिह्नित किया गया है:

i. एमआईसीई के लिए संस्थागत सहयोग
ii. एमआईसीई के लिए इको-सिस्टम का विकास करना
iii. भारतीय एमआईसीई उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना
iv. एमआईसीई कार्यक्रमों के लिए व्यापार में आसानी को बढ़ाना
v. एमआईसीई गंतव्य के रूप में भारत का विपणन
vi. एमआईसीई उद्योग के लिए कौशल विकास

मंत्रालय ने 'अतुल्य भारत' अभियान में एक विशेष उप-ब्रांड के रूप में 'मीट इन इंडिया' की शुरुआत की है। इस उप-ब्रांड का उद्देश्य संवर्धनात्मक पहलों को बढ़ाना है, जिसमें भारत को शीर्ष स्तरीय कनेक्टिविटी, अत्याधुनिक अवसंरचना, एक जीवंत ज्ञान केंद्र और विशिष्ट पर्यटक आकर्षणों से युक्त अपीलिंग एमआईसीई गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करना है।

मंत्रालय ने एक व्यापक डिजिटल एमआईसीई कैटलॉग तैयार किया है, जिसमें 60+ भारतीय शहरों में अवसंरचना एवं सुविधाओं को दर्शाया गया है, जिन्होंने भारत की जी20 बैठकों की अध्यक्षता के दौरान सफलतापूर्वक मेजबानी की। भारत में कार्यक्रमों के आयोजन में यह संसाधन सूची भारतीय शहरों को विश्व के मंच पर प्रमुख स्थलों के रूप में बढ़ावा देते समय वैश्विक और राष्ट्रीय एमआईसीई योजनाकारों का सहयोग करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

****